कक्षा = नवम
पुस्तक = स्पर्श

विषय वस्तु ⇒ लेख (निबंध)
प्रकरण ⇒ धूल

शिक्षण उद्देश्य ⇒ धूल की महिमा से परिचित कराना।
* देश प्रेम का पाठ पढ़ाना।
* ग्रामीण एवं शहरी जीवन की जानकारी देना।
* नए शब्दों के अर्थ समझ कर अपने शब्द भंडार में वृद्धि करना।
* साहित्य के गद्य-विधा (निबंध) की जानकारी देना।
* छात्रों को नैतिक मूल्यों की ओर प्रेरित करना।
* स्वयं निबंध लिखने की योग्यता का विकास करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- पाठ पढ़ाने से पहले विद्यार्थियों से उनके पूर्व ज्ञान परीक्षण के लिए कुछ प्रश्न पूछे जाएंगे :- उनका संबंध नए विषय से जोड़ा जाएगा।।
* बच्चो क्या आप ग्रामीण जीवन से परिचित हैं?
* क्या आपने कभी धूल में खेला है?
* शिशुओं की स्वभावगत विशेषताएं बताइए।
* क्या आप शहरी जीवन से परिचित हैं?
* आप समाज में किस प्रकार के बदलाव देखते हैं?

उद्देश्य = बच्चो आज हम प्रसिद्ध लेखक राम विलास शर्मा द्वारा रचित निबंध 'धूल' का अध्ययन करेंगे।

Scanned with CamScanner

शब्द प्रारूप :- पाठ में आए व्याकरण का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।

उपसर्ग, प्रत्यय, विपरीतार्थक तथा वाक्य प्रयोग।

रेणु - धूल   असूया - ईर्ष्या
अभिजात - कुलीन   विडंबना - छलना
कनिया - गोद   लरिकान - बच्चे
असारता - सार रहित   बाते - हिस्से

वर्तनी ⇒ संसर्ग, पार्थिवता, नौबत, विसंगति, गोधूलि

विषय व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग ⇒
* दृश्य - श्रव्य साधन, स्मार्ट-बोर्ड, चाक, झाड़न, श्यामपट्ट
शहरी तथा ग्रामीण जीवन का ज्ञान, साहित्यिक भाषा की थोड़ी बहुत जानकारी।

कार्य प्रणाली :- धूल की परिभाषा बताते हुए पाठ का पठन एवं वाचन किया जाएगा। लेखक ने धूल भरे शिशुओं को धूल भरे हीरे कहकर संबोधित किया है धूल के बिना शिशुओं की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारी सभ्यता धूल के संसर्ग से बचना चाहती है। लेखक आगे कहते हैं कि जो बचपन में धूल से खेला है वह जवानी में अखाड़े की मिट्टी में सनने से कैसे वंचित रह सकता है।

Scanned with CamScanner

जितने सारतत्व जीवन के लिए अनिवार्य हैं वो सभी मिट्टी से ही मिलते हैं। ग्राम्य भाषाओं ने धू. गोधूलि शब्द को अमर कर दिया है। श्रद्धा भक्ति, स्नेह इनमें चर्म व्यंजना के लिए धूल से बढ़कर और कौन साधन है। यहाँ तक कि घृणा, असूया आदि के लिए भी धूल चाटने, धूल झाड़ने की क्रियाएँ प्रचलित हैं।

छात्र सहभागिता :- छात्रों द्वारा निबंध को ध्यान पूर्वक सुनना तथा समझने का प्रयास करना। आधुनिकता की भावना को आत्मसात करते हुए वर्तमान जीवन से प्रेरणा प्राप्त करना। लेखक के बारे में दी जानकारी को अभ्यास पुस्तिका में लिखना। उच्चारण एवं पढ़न शैली को ध्यान से सुनते हुए निबंध को हृदयंगम करने की क्षमता को विकसित करना तथा लेख के प्रति अपनी जिज्ञासा का निवाकरण करना। शब्दार्थ अभ्यास पुस्तिका में लिखना।

मूल्यांकन :- इन निम्नलिखित विधियों से मूल्यांकन किया जाएगा:-

पुनरावृति ⇒ पुनरावृति के लिए पढ़ाए हुए पाठ से कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे :-

* अखाड़े की मिट्टी की क्या विशेषता होती है?
* लेखक ने संसार में किस प्रकार के सुख को दुर्लभ माना है?
* लेखक ने धूल और मिट्टी में क्या अंतर बताया है?
* धूल पाठ का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

Scanned with CamScanner

ज्ञान के क्षेत्र में एकीकरण :- इस पाठ के माध्यम से छात्रों को हमारी सभ्यता तथा मिट्टी के गुणों का ज्ञान होगा। सामूहिक भावना का विकास होगा। धूल देश-प्रेम का प्रतीक है छात्रों को अपने देश के लिए प्रेम भावना का विकास होगा। मिट्टी में मेहनत करने तथा कठिनाइयों का अनुभव लेने और उनका सामना करने का साहस उत्पन्न होगा। आत्म विश्वास की भावना जागृत होगी।

योग्यता विस्तार :- 'मिट्टी देश का अस्तित्व है' शरीर और मिट्टी को लेकर संसार की असारता का वर्णन जिन कवियों ने किया है। उनकी रचनाओं का संकलन कीजिए।

* मिट्टी की महिमा, मृत्तिका तथा धूल शीर्षक कविताओं को पढ़कर कक्षा में चर्चा करने को कहा जाएगा।

Scanned with CamScanner

कक्षा - नवम प्रकरण :- अब कैसे छूटे राम नाम रट लागी
ऐसी लाल तुझ बिनु कउन करै।

कवि - रैदास

सामान्य उद्देश्य :-

* छात्रों में प्रभु प्रेम की भावना जागृत करना।
* छात्रों की भाषा संबंधी ज्ञान की वृद्धि करना।
* छात्रों की हिंदी भाषा के प्रति रुचि पैदा करना।
* छात्रों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराना।
* छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान कराना।

2. पूर्व ज्ञान परीक्षा → *1. छात्रों के पूर्व ज्ञान की जानकारी के लिए पाठ पढ़ाने से पूर्व कुछ प्रश्न किए जाएँगे :-
*1 छात्रों को पहला प्रश्न पद के बारे में किया जाएगा कि पद किसे कहते हैं?
*2 छात्रों से कवियों के नाम पूछे जाएँगे?
*3 छात्रों से रैदास जी के पदों के बारे में पूछा जाएगा?
* कवि संत रैदास जी के बारे में जानकारी देते हुए उनके पदों पर चर्चा की जाएगी।

3. शब्दावली → तुलना शब्द, तुकांत पद, प्रयुक्त तथा प्रचलित रूप आदि।

4. कठिन शब्द → रट लागी, गंध-समानी, चितवन, सुहागा, गरीब निवाजु, गुसईआ, छोति, हरिजीउ, सभै, सरै, नीचहु।

5. पद्धति प्रयोग → दृश्य-श्रवण साधन, परिचर्चा, दोहा गायन, दोहा ज्ञान।

6. कार्यविधि → कवि संत रैदास के विषय में छात्रों को जानकारी देते हुए विभिन्न अलंकारों का ज्ञान दिया जाएगा विशेषकर पदों में आने वाले अलंकारों का। पदों में प्रयुक्त भाषा पर भी

Scanned with CamScanner

चर्चा की जाएगी। पदों को गायन विधि द्वारा समझाया जाएगा तथा भगवान और भक्त के संबंध पर चर्चा की जाएगी। स्मार्ट-क्लास के माध्यम से सुनाकर छात्रों को भी इसमें सम्मिलित किया जाता है। इसमें निहित शब्दों के अर्थ समझाते हुए पदों पर चर्चा की जाएगी। विशेष जीवन मूल्यों पर चर्चा होगी।

* छात्र सहभागिता ➡

कक्षा में की जा रही चर्चा में छात्र सक्रिय रूप से भाग लेंगे। भगवान और भक्त के बारे में अपने पूर्व ज्ञान की पुष्टि करते हुए कुछ प्रश्न किए जाएँगे। वे पाठ से संबंधित किसी भी पद का गायन रूपांतरण भी कर सकते हैं। इसके लिए सामूहिक चर्चा पर बल दिया जाएगा।

* पुनरावृत्ति ➡ पुनरावृत्ति के लिए छात्रों से पढ़ाए गए पाठ पर कुछ प्रश्न किए जाएँगे।

*I. रैदास जी के पदों में किसके बारे में चर्चा की गई है?
*II भगवान और भक्त का आपस में कैसा रिश्ता होना चाहिए?
*III भगवान अपने भक्तों के लिए क्या-क्या करते हैं?

योग्यता विस्तार कार्य ➡

* पाठ में आए दोनों पदों को याद कीजिए तथा गाकर सुनाइए।
* भक्त कबीर, गुरु नानक, नामदेव और मीराबाई की रचनाओं का संकलन कीजिए।

Scanned with CamScanner

10. अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण :-

छात्रों को रैदास के पदों में प्रस्तुत भक्ति भाव को समझने तथा लिखने को कहा जाएगा। उनकी बौद्धिक शक्ति का विकास होगा। और छात्रों में भक्ति तथा अध्ययन करने की रुचि पैदा होगी।

11. सीखने का प्रतिफल :-

* भक्त कवि कबीर, गुरु नानक देव, नामदेव और मीराबाई की रचनाओं का संकलन कीजिए।
* पाठ में आए दोनों पदों को याद कीजिए तथा उनकी व्याख्या कीजिए

12. मूल्यांकन :-

* रैदास के पदों का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए?
* भक्त कवि रैदास और उनके स्वामी के बीच एकात्मकता किस-किस रूप में प्रकट हुई है।
* रैदास की भक्ति भावना को अपने शब्दों में लिखिए।

Scanned with CamScanner

कक्षा - नवमी　　　　　　　　　　कवि - रहीम
विषय - दोहे　　　　　　　　　　　प्रकरण - दोहे

1. सामान्य उद्देश्य :-
* छात्रों में प्रेम की भावना जागृत करना।
* छात्रों की भाषा संबंधी ज्ञान में वृद्धि करना।
* छात्रों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराना।
* दोहों का उचित आरोह- अवरोह तथा भाव के साथ पढ़ना।
* तत्कालीन समाज में फैली सामाजिक बुराइयों के प्रभाव से अवगत कराना।

(2) पूर्व ज्ञान परीक्षा ➡ * छात्रों के पूर्व ज्ञान की जानकारी के लिए पाठ पढ़ाने से पूर्व कुछ प्रश्न किए जाएंगे :-

1* छात्रों से पहले प्रश्न में दोहे के बारे में पूछा जाएगा - बच्चो दोहा क्या होता है?
2* रहीम जी के बारे मे आप क्या जानते हैं?
3* हमें दूसरों के बारे कैसी विचारधारा रखनी चाहिए?
4* बच्चो आज हम रहीम जी के दोहों पर चर्चा करेंगे :-

(3) कठिन शब्द ➡ साधे, मूलहिं, अवध नरेश, दीरघ, सिमिटि, उदधि, रीझि, बडेन, मानुष, उबरे, तरवारि, मथे, चून।

(4) शब्दावली ➡ प्रचलित रूप, तुकांत पद, तुलनात्मक शब्द

(5) पद्धति प्रयोग ➡ दृश्य-श्रवण साधन, परिचर्चा, दोहा गायन, दोहा ज्ञान।

(6) कार्यविधि ➡ कवि रहीम जी के विषय में छात्रों को जानकारी देते विभिन्न अलंकारों का ज्ञान कराया जाएगा। पदों में प्रयुक्त भाषा पर भी चर्चा की जाएगी। पदों को गायन विधि द्वारा समझाया जायगा। यह भी बताया जायेगा की रहीम जी के दोहे आम जीवन से उभरे उदाहरणों से शिक्षाएँ देते हैं तथा मानव समाज की अच्छाई तथा सच्चाई को प्रेरित

Scanned with CamScanner

करते हैं। कक्षा मे दोहा गायन के माध्यम से पदों के अर्थ तथा जीवन मूल्यों पर चर्चा की जाएगी। इसमें निहित शब्दों के अर्थ बताए जाएँगे।

(7) * **छात्र सहभागिता** → कक्षा मे की जा रही चर्चा में छात्र सक्रिय रूप से भाग लेंगे। मानव जीवन की अच्छाई तथा सच्चाइयों के तथा मानव के करणीय तथा अकरणीय आचरण के बारे में पूर्व ज्ञान की पुष्टि करते हुए कुछ प्रश्न किए जाएँगे। वे पाठ से संबंधित किसी भी दोहे का गायन रूपांतरण भी कर सकते हैं। इसके लिए समूहिक चर्चा पर भी बल दिया जाएगा।

(8) * **पुनरावृत्ति** → पुनरावृत्ति के लिए छात्रों से पढ़ाए गए पाठ पर कुछ प्रश्न किए जाएँगे:-

1. * प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भांति क्यों नहीं हो पाता ?
2. * रहीम जी ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों कहा है ?
3. * अवध नरेश को चित्रकूट क्यों जाना पड़ा ?

(9) **योग्यता विस्तार कार्य** → * चित्रकूट किस राज्य में स्थित है, जानकारी प्राप्त कीजिए।

* रहीम जी के दोहों पर कक्षा में काव्य मंच लगाकर गोष्ठी करवाई जाएगी।

Scanned with CamScanner

10. अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण :-
छात्रों को दोहों के भाव अपने शब्दों में लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चित्रकला की योग्यता का विस्तार करने हेतु दोहों को चित्रों के माध्यम से करवाया जाएगा। छात्र अपनी कल्पना के आधार पर रंगों के रूप में अपनी कविता ज्ञान को रूप देंगे।

11. सीखने का प्रतिफल :- नीति संबंधी अन्य कवियों के दोहे तथा कविता एकत्रित कीजिए और उन दोहों को चार्ट पर लिख कर भित्ति पत्रिका पर लगाएँ।
* पाठ में आए दोहों को आत्मसात करके उनकी व्याख्या करने को कहा जाएगा।

12. मूल्यांकन :-
* रहीम के दोहे आज भी प्रासंगिक हैं स्पष्ट करें?
* रहीम जी यह क्यों मानते थे कि व्यक्ति को अपने मन की व्यथा अपने मन में ही रखनी चाहिए?
* रहीम जी के दोहे नीति विषयक हैं स्पष्ट करें?

Scanned with CamScanner

कक्षा - नवम
पाठ्य-पुस्तक - स्पर्श
विषय - निबंध (कहानी)

प्रकरण - दुःख का अधिकार
लेखक - मुंशी प्रेमचंद

1. सामान्य उद्देश्य : बच्चों के लेखन कौशल तथा बौद्धिक कौशल को बढ़ाना।
* छात्रों में मातृभाषा के प्रति रुचि जागृत करना।
* छात्रों को पाठ में आए हुए कठिन शब्दों का उच्चारण में अभ्यास कराना।
* छात्रों को विभिन्न रचनाकारों की शैलियों से परिचित कराना।
* छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देना।

② Previous Knowledge Testing ⇒ पाठ परिचय से पहले छात्रों से कुछ प्रश्न किए जाएँगे जो छात्रों के पूर्व ज्ञान को स्पष्ट करेंगे तथा पाठ से संबंध जोड़ा जाएगा। *1. बच्चो क्या आपको कभी चोट लगी है?
2. * क्या चोट लगने से आपको दुःख होता है?
3. * दुःखी होने पर आप क्या करते हैं?
4. * बच्चो आज हम दुःख के बारे में कहानी पढ़ेंगे जिसमे दुःख के अधिकार के बारे में बताया जाएगा

③ Vocabulary Used
* ➡ मुहावरे, तत्सम-तद्भव शब्द, पर्यायवाची शब्द, क्रिया आदि।

④ Important Spellings
* ओझियों, घृणा, अनुभूति, व्यवधान, बेहया, संभ्रात, कछियारी, सूतक, ओझा, निर्वाह, पुत्र-वियोगिनी, क्रंदन आदि।

⑤ Aids/Innovative Methods Used to explain the topic
* दृश्य-श्रव्य साधन, नाट्य रूपांतरण, परिचर्चा, वाद-विवाद।

Scanned with CamScanner

(6) Procedure

* छात्रों से पाठ पढ़ाया जाएगा तथा कहानी का रूपांतरण 'स्मार्ट-क्लास' द्वारा वीडियो रूप में दिखाया जाएगा। पाठ पढ़ाते समय कठिन शब्दों के शुद्ध उच्चारण, उनके अर्थ तथा वाक्यों पर भी चर्चा की जाएगी। पाठ पढ़ाते समय जीवन के विभिन्न मूल्यों पर भी चर्चा की जाएगी। पाठ के पढ़ने एवं वाचन के दौरान गरीब और अमीर लोगों के रहन-सहन के तरीकों तथा उनके अधिकारों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही पोशाकों के बारे में भी चर्चा की जाएगी जो गरीबी तथा अमीरी में फर्क दिखाती हैं।
* तदुपरांत सबको दुख मनाने का बराबर अधिकार है या नहीं विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता करवाई जाएगी।

(7) Participation of students

छात्रों द्वारा पाठ पढ़ते समय शुद्धोच्चारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। गरीबी तथा अमीर पर अपने विचार रखने तथा उनके अधिकारों पर खुला बोलने तथा अपने सुझाव देने का छात्रों को अवसर दिया जाएगा। छात्र 'दुख का अधिकार' कहानी का नाट्य रूपांतरण भी करेंगे जो समूह-कार्य होगा। प्रत्येक समूह के अच्छा काम करने पर कक्षा में सराहना भी की जाएगी। कहानी प्रस्तुत करते हुए छात्रों द्वारा की गई त्रुटियों का निवारण भी कक्षा-अध्यापिका द्वारा किया जाएगा।

Scanned with CamScanner

Recapitulation

पुनरावृत्ति के लिए छात्रों से पाठ के संबंध में कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे तथा प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक न होने के अवसर पर उनका उचित समाधान किया जाएगा।

जैसे → * 1. पोशाकें मनुष्य को कैसे बाँटती हैं ?

2.* सूतक क्या होता है ?

3.* दुःख मनाने का अधिकार किन्हें नहीं होता और क्यों ?

4.* संभ्रांत महिला कौन थी ?

5.* दुःख का अधिकार पाठ का शीर्षक कहाँ तक सार्थक है ?

9. अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :-

छात्रों को पाठ का मूल भाव अपने शब्दों में लिखने को कहा जाएगा। इससे उनकी लेखन कला का विस्तार होगा। इसके अतिरिक्त उनको पाठ के आधार पर अपने विचारों को व्यक्त करने को कहा जाएगा।

10. योग्यता विस्तार :-

व्यक्ति की पहचान उसकी पोशाक से होती है इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कराई जाएगी।

* यदि आपने भगवाना की माँ जैसी किसी दुखिया को देखा है तो उसकी कहानी लिखने को कहा जाएगा।

* विषैले साँपों के चित्र एकत्रित करके भित्ति पत्रिका में लगाने को कहा जाएगा।

11. सीखने का प्रतिफल :-

गरीबों के दुख तकलीफों पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित की जाएगी।

* आस-पास रहने वाले कुछ गरीबों तथा उनके दुखों के कारण की सूची बनवाई जाएगी।

* अलग-अलग पोशाकों के चित्र एकत्रित करने को कहा जाएगा।

* पाठ में आए शब्द-युग्मों के वाक्य बनाने को कहा जाएगा।

Scanned with CamScanner

12. मूल्यांकन :-

अध्यापिका मूल्यांकन के आधार पर श्यामपट्ट पर कुछ प्रश्न लिखेगी तथा छात्र उसका उत्तर श्यामपट्ट पर ही लिखेगा।

* मनुष्य की ----- उन्हे विभिन्त श्रेणियों में बाँट देती है।
* पौशाक ही मनुष्य का ----- और ------ निश्चित करती है।
* बाज़ार मे फुटपाथ और ज़मीन पर ------ बिखरे पड़े हैं।
* खरबूजों के समीप एक ----- उमर की ------ रो रही है।

Scanned with CamScanner

कक्षा ⇒ नवम

पाठ ⇒ कविता

विषय ⇒ एक फूल की चाह

लेखक ⇒

उद्देश्य ⇒ हिंदी शब्दों का सही उच्चारण करना तथा हिंदी के स्वभाविक अनुतान का प्रयोग करना।

* हिंदी कविताओं का उचित लय, आरोह - अवरोह तथा भाव के साथ पढ़ना।
* भाषा की विभिन्न विधाओं के बारे में छात्रों को परिचित करवाना।
* छुआछूत की समस्या के बारे में छात्रों को भी जानकारी देना।
* तात्कालीन समाज में फैली सामाजिक बुराइयों एवं उनके प्रभाव पर चर्चा करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा ⇒ कविता का परिचय देने के पूर्व छात्रों से कुछ प्रश्न किए जाएँगे जो छात्रों के पूर्व ज्ञान को स्पष्ट करेंगे :-

1. प्राचीन काल में कैसी प्रथाएँ चलती थी ?
2. अछूत कौन होता था ?
3. वर्तमान में कैसी सामाजिक कुरीतियाँ फैली हुई हैं ?
4. रोग ग्रस्त होने पर मन में कैसे-कैसे विचार उत्पन्न होते हैं

शब्द प्रारूप ⇒ प्रतीक / बिंब ज्ञान, र के विभिन्न रूप

Scanned with CamScanner

→ अंधकार की छाया
→ कितना बड़ा तिमिर आया
→ हुई राख की ढेरी
→ हाय! फूल सी कोमल बच्ची

र के विभिन्न रूप
→ विस्तीर्ण, प्रकट
अविश्रांत, मृतक
→ तत्सम - तद्भव शब्द
(ताप-तप्त, विह्वल
कंठ क्षीण, स्वर्ण घन)

वर्तनी ⇒ उद्वेलित, मृतवत्सा, कृशा, विह्वल, अविश्रांत, पतित-तॉरिणी, अभियोग।

विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किए जाने वाले अभिनव ढंग :-
दृश्य-श्रव्य साधन, नाट्य रूपांतरण, परिचर्चा, वाद-विवाद
कविता लेखन (रचना)

कार्य प्रणाली ⇒ छात्रों के पूर्व ज्ञान से संबंध जोड़ते हुए तत्कालीन सामाजिक कुरीतियों के बारे में चर्चा की जाएगी। विषय वस्तु की जानकारी देते हुए कविता की भूमिका प्रस्तुत की जाएगी। उचित स्वर लय तथा उतार चढ़ाव का प्रयोग करते हुए कविता का वाचन किया जाएगा। छात्र उसका अनुसरण करेंगे। उनकी उच्चारण संबंधी त्रुटियों का समाधान किया जाएगा। प्रत्येक काव्यांश में निहित विशेष अर्थ का भी वर्णन किया जाएगा। प्राचीन काल में जाति-पाति के भेद भावों की जानकारी प्राप्त करके कक्षा में इस पर विचार विमर्श करेंगे।

Scanned with CamScanner

छात्र सहभागिता :- छात्र कविता के कठिन शब्दों के अर्थ आत्मसात करके व्याख्या, स्वं निहित मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। स्मार्टबोर्ड के माध्यम से कविता का मूल भाव ज्ञात करेंगे। तत्कालीन समाज में व्याप्त स्पृश्य एवं अस्पृश्य में आज पाए जाने वाले परिवर्तनों पर चर्चा करेंगे। कविता के मूल भाव को समझते हुए अभ्यास के प्रश्नों के उत्तर ढूँढने का प्रयास करेंगे।

पुनरावृत्ति :- * बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की ?
* सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया ?
* पर्वत की चोटी पर स्थित मंदिर कैसा था ?
* देवी का अपमान करने के लिए भक्तों ने उसे क्या दंड दिया ?
* पिता को अपनी पुत्री से दूर करके, दंड देना कहाँ तक उचित था, यदि हाँ। तो क्यों ?

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण => छात्रों को कविता अपने शब्दों में कहानी के रूप में लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे कहानी लेखन की कला का विस्तार होगा। इसके अतिरिक्त, चित्रकला की योग्यता का विस्तार करने हेतु कविता को एक चित्र के रूप में बनवाया जाएगा। छात्र अपनी कल्पना के आधार पर रंगों के रूप में अपनी कविता ज्ञात को रूप देंगे।

Scanned with CamScanner

योग्यता विस्तार ⇒ कविता को उचित स्वर, लय द्वारा उच्चारण करने का ढंग सीखेंगे।

* जाति-पाति के भेद-भाव के बारे में जानकारी एकत्र करके उस पर अपने विचार लिखेंगे।
* बेटियों के विषय पर कविता लिखने अथवा ढूँढने का प्रयास करेंगे।

Scanned with CamScanner

कक्षा - नवम
प्रकरण - स्मृति

संकलन :- श्री राम शर्मा

1. सामान्य उद्देश्य :- छात्रों को पौराणिक गाँवो से परिचित कराना।
* छात्रों में मातृभाषा के प्रति रुचि जागृत करना।
* छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देना।
* बच्चों के लेखन कौशल तथा बौधिक कौशल को बढ़ाना।
* छात्रों को साहस की जिंदगी से परिचित कराना तथा साहस की भावना पैदा करना।

(2) पूर्व ज्ञान परीक्षण ⇒ क्या आपको अपने बचपन की कोई घटना याद है?
* क्या कोई ऐसी पुरानी बात है जो आपको डरा देती है?
* अपने जीवन की कोई ऐसी घटना बताएं जो आप कभी भूल नही पाओगे?

(3) शब्दावली ⇒ सांयकाल, ग्यारह, फुंकार, संकल्प।

(4) वर्तनी ⇒ चिट्ठीयां, रस्सी, मैट्रिक, लिफाफे दृढ।

(5) सहायक सामग्री ⇒ पाठ्यपुस्तक, स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, चॉक।

(6) कार्य विधि :- छात्रों द्वारा पाठ का पठन करवाते हुए नए शब्दों का अर्थ बताया जाएगा। शब्दों के शुद्ध उच्चारण का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस पाठ में लेखक के जीवन की एक ऐसी घटना का वर्णन किया गया है जो वह कभी नही भूल सकता। लेखक इसमें बताते हैं कि बचपन में डर के कारण जान की बाजी तक लगा देते है। और कई बार भावी योजनाएँ निष्फल पड़ जाती है।

7 गीतविधि :- छात्र अपनी मीठी या कड़वी याद के बारे में, कक्षा में बताएँगे।
* झूठ बोलने के कारण हुई हानि तथा सच बोलने पर लाभ भी अनुभव भी साझा किया जाएगा।

8 छात्र सहभागिता :- छात्र पाठ का पठन तथा श्रवण करेंगे।
* परिचर्चा, चर्चा में भाग लेते हुए पाठ का उद्देश्य प्राप्त करेंगे।
* दूसरों के अनुभवों से सीख ली जाएगी।

9 पुनरावृत्ति :-
* लेखक कहाँ पढ़ता था?
* कुएँ में क्या था?
* साँप को मारने के लिए लेखक ने क्या युक्ति अपनाई।

10 योग्यता विस्तार :- बोलने की कला का विकास होगा।
* छात्र शब्दों का शुद्ध उच्चारण सीखेंगे।

Scanned with CamScanner

10. अन्य क्षेत्रों के साथ स्कीकरण :-

इस पाठ के माध्यम से छात्रों को विचारात्मक लेख करवाया जाएगा जिससे उनका बौधिक विकास होगा। स्वयं निबंध लिखने की योग्यता का विकास होगा।

11. सीखने का प्रतिफल :-

छात्रों की बाल-सुलभ शरारतें, तथा खेले जाने वाले खेलों की सूची तैयार करके लाने को कहा जाएगा।

* मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ उलटी पड़ जाने पर क्या परिणाम होता है इस पाठ से संबंधित कुछ और घटनाओं पर चर्चा करवाई जाएगी।

12. मूल्यांकण :-

स्मृति पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि "कितने अच्छे थे वे दिन" इस पंक्ति में लेखक ने किन दिनों को और क्यों अच्छा माना है।

* स्मृति पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है।
* स्मृति पाठ बाल मनोविज्ञान की परतों को खोलता है स्पष्ट करें।

Scanned with CamScanner

कक्षा नवम
प्रकरण गिल्लू

लेखक - महादेवी वर्मा
विषय - कहानी

सामान्य उद्देश्य :-
छात्रों के मन में जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम की भावना को जगाना।
* छात्रों को पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताना तथा उच्चारण करवाना।
* छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देना।
* छात्रों के लेखन तथा बौधिक कौशल को बढ़ाना।
* छात्रों को विभिन्न रचनाकारों की शैलियों से परिचित कराना।

पूर्व ज्ञान परीक्षण :-
* क्या आपको अपने बचपन की कोई घटना याद है?
* क्या आपने किसी मरते हुए जीव की रक्षा की है?
* क्या आपने किसी जानवर या पक्षी को पाला है?
* क्या आप पशु-पक्षियों से प्यार करते हैं?
* गिलहरियों के जीवन के बारे में आप क्या जानते हैं?

शब्दावली :- सोनजुही, अनायास, लघुप्राण, हरीतिमा।

वर्तनी :- काकद्रुप, निश्चेष्ट, स्निग्ध, आश्वस्त, उष्णता।

Scanned with CamScanner

5 पद्धति :- फ्लैश कार्ड, स्मार्ट-बोर्ड, पाठ्य पुस्तक।

6. कार्यविधि :- पशु-पक्षियों के पालन-पोषण पर चर्चा करते हुए पाठ का पठन करके पाठ के उद्देश्य को स्पष्ट किया जाएगा। पाठ में आने वाले नए शब्दों पर चर्चा की जाएगी। उन पर खुले से चर्चा की जाएगी। पाठ में पशु-प्रेम पर चर्चा करते हुए छात्रों को जीवों की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। गिलहरी के जीवन और लालन पालन के बारे में चर्चा की जाएगी। जानवरों के संवेदनशील व्यवहार पर चर्चा की जाएगी।

7 छात्र सहभागिता छात्र पशु-पक्षियों के पालन-पोषण के अपने ज्ञान तथा अनुभव का परिचय देंगे। पाठ्य विस्तार के दौरान अपनी जिज्ञासा को शांत करने हेतु कुछ प्रश्न करेंगे। अध्यापक द्वारा उनकी जिज्ञासा का निवारण किया जाएगा। कठिन शब्द-अर्थ अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे। अपनी पुस्तिका में कवि के बारे में दी गई जानकारी भी लिखेंगे।

8 पुनरावृत्ति :- कौए को समाधरहित तथा अनादरहित प्राणी क्यों कहा गया है?

* गिल्लू ने परिचारिका की भूमिका कैसे निभाई ?
* जाली के पास गिल्लू का बैठना क्या दर्शाता था ?

9. योग्यता विस्तार :- गिल्लू कहानी हमारे जीवन में जीव-प्रेम को कैसे विकसित करती है स्पष्ट करें।

10 गतिविधि :- पाठ के आधार पर पशु संरक्षण पर कक्षा में परिचर्चा कराई जाएगी।

11. अन्य क्षेत्रों से एकीकरण :- छात्रों को पाठ का मूल भाव अपने शब्दों में लिखने को कहा जाएगा। इससे उनकी लेखन कला का विस्तार होगा। इसके अतिरिक्त उनको पाठ के आधार पर अपने विचारों को लिखकर व्यक्त करने को कहा जाएगा।

12. सीखने का प्रतिफल :- गिलहरी से मिलती हुई और प्रजातियों के चित्र संग्रह कीजिए।
* महादेवी वर्मा द्वारा जीवों पर लिखी कुछ कहानियों को एकत्रित करके पढ़ने तथा कक्षा में सुनाने को कहा जाएगा।

13 मूल्यांकन :- अस्वस्थ लेखिका का ध्यान रखने से गिल्लू की किस भावना का पता चलता है।
* गिल्लू तथा लेखिका के आपसी संबंधों पर प्रकाश डालिए।
* 'वर्तमान समय में पशु-पक्षियों को मनुष्य द्वारा प्रताड़ित किया जाना सर्वथा अनुचित है" अपने विचार व्यक्त कीजिए।

Scanned with CamScanner

कक्षा - नवम
प्रकरण - अतिथि तुम कब जाओगे

1. सामान्य उद्देश्य :-
पाठ का मुख्य उद्देश्य छात्रों को मनुष्य मात्र के स्वभाव एवं व्यवहार के बारे में अवगत कराना।
* छात्रों को हास - परिहास तथा चुटकीली मुहावरेदार भाषा से परिचित कराना।
* साहित्य के गद्य - विधा (निबंध) की जानकारी देना।
* नए शब्दो के अर्थ समझाकर शब्द भंडार मे वृद्धि करना।

(2) पूर्व परीक्षा ज्ञान :- अतिथि का क्या मतलब होता है ?
* क्या आपके घर मे अतिथि आते हैं ?
* आप किसी के घर मे अतिथि बनकर जाते है तो कितने दिन रहते हैं ?
* सत्कार की उष्मा किसे कहा जाता है ?

3 शब्दावली :- अतिथ्य, आशंका, अप्रत्याशित, उष्मा, गुंजायमान।

4 वर्तनी :- पर्यायवाची, काल, वचन, क्रिया।

5 पद्धति :- स्मार्टबोर्ड, पाठ्यपुस्तक, कक्षा प्रक्रिया, चाक, झाड़न।

शिक्षण कार्य विधि :- छात्रो को अतिथि के बारे में बताते हुए पाठ का आदर्श वाचन एवं पठन किया जाएगा। छात्रों को प्रत्येक गद्यांश पढ़कर उसका मूल भाव समझाया जाएगा। आज दैनिक जीवन मे अतिथि के आने तथा पुराने जमाने में अतिथि के आने की स्थिति के बारे मे कक्षा मे चर्चा की जाएगी।

Scanned with CamScanner

7 छात्र सहभागिता :- छात्र पाठ का अध्ययन करेंगे तथा पाठ के उद्देश्य को समझने का प्रयास करेंगे। नाट्य रूपांतरण द्वारा पाठ में अतिथि का अभिनय करेंगे। अतिथि पर छात्र अपने विचार भी प्रस्तुत करेंगे।

(8) पुनरावृत्ति – एस्ट्रॉनॉटस शब्द का क्या अर्थ है?
* घर में आए अतिथि का स्वागत कैसे करना चाहिए?
* होम की स्वीटनेस से आप क्या समझते हैं?
* सत्कार की ऊष्मा कब समाप्त हो जाती है?

(9) योग्यता विस्तार – अतिथि तुम कब जाओगे इस पाठ के आधार पर छात्र एक लघु नाटिका तैयार करेंगे।
* विद्यार्थी अपने घर आए अतिथियों के सत्कार का अनुभव कक्षा में सांझा करेंगे।

(10) गतिविधि – तुम कब जाओगे अतिथि के आधार पर फिल्म दिखाई जाएगी तथा मेहमान और मेज़बान में किस प्रकार के संबंध रहने चाहिए इस पर चर्चा होगी।

Scanned with CamScanner

11. अन्य क्षेत्रों से एकीकरण :-

इस पाठ में उन अतिथियों को आड़े-हाथों लिया है जो अतिथि की गरिमा को त्याग कर अतिथ्य के लिए मुसीबत बन जाते हैं। देश में अतिथि सत्कार की महिमा को उजागर करना आदि।

* अतिथि का हार्दिक स्वगत तथा अतिथि द्वारा मर्यादा भंग।

12. सीखने का प्रतिफल :-

अतिथि देवो भव! उक्ति की व्याख्या करें तथा आधुनिक युग के संदर्भ में इसका आकलन करें।

* विद्यार्थी अपने घर आए अतिथियों के सत्कार का अनुभव कक्षा में सुनाएँ।

13 मूल्यांकन :-

स्वागत सत्कार के जिस बिंदु पर हम तुम्हें ले जा चुके थे' का आशय स्पष्ट करें।

* लेखक अच्छा अतिथेय है स्पष्ट कीजिए।
* तुम कब जाओगे अतिथि पाठ के इस व्यंग्य को स्पष्ट करें।

Scanned with CamScanner

कक्षा - नवम
लेखक - बचेंद्री पाल

प्रकरण = एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा

शिक्षण उद्देश्य

* छात्रों को हिमालय की कठिनाईयों तथा कुदरत के नजारों से परिचित कराना।
* छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देना।
* छात्रों को पाठ में आए कठिन शब्दों का उच्चारण में अभ्यास कराना
* छात्रों के लेखन कौशल तथा बौधिक कौशल को बढ़ाना।
* छात्रों को विभिन्न रचनाकारों की शैलियों से परिचित कराना।

2) पूर्वज्ञान परीक्षा → छात्रों से पूर्व ज्ञान की जानकारी के लिए कुछ प्रश्न किए जाएँगे :-

* बच्चो आप में से पहाड़ों पर कौन-कौन गया है ?
* पहाड़ों पर क्या-क्या देखने को मिलता है ?
* बर्फ के पहाड़ किस-किस ने देखे हैं ?
* पूर्व ज्ञान का परिचय लेते हुए पढ़ाए जाने वाले विषय का एलान किया जाएगा।

* शब्दावली → शब्द व्याख्या, विराम चिह्न, शब्द-युग्म, विलोम, क्रिया-विशेषण, उपसर्ग आदि।

* कठिन शब्द → अग्रिम, प्लूम, विचित्र, ग्लेशियर, अभियांत्रिकी, नौसिखिया।

* पद्धति प्रयोग → दृश्य-श्रव्य साधन, नाट्य रूपांतरण, परिचर्चा।

* कार्य विधि → छात्रों को पाठ पढ़ाते हुए पाठ का उद्देश्य स्पष्ट किया जाएगा। संस्मरण एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा को स्मार्ट-क्लास द्वारा वीडियो रूप में दिखाया जाएगा। पाठ पढ़ाते हुए कठिन शब्दों के अर्थ, शुद्ध उच्चारण तथा उनके वाक्यों पर भी

चर्चा की जाएगी। पाठ के पठन एवं वाचन के दौरान आगे बढ़ते रहने तथा रास्ते में आने वाली कठिनाइयों तथा किसी भी विषम परिस्थिति का सामना करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया जाएगा।

* छात्र सहभागिता ➡

छात्रों द्वारा पठन एवं वाचन समय शब्दोच्चारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बच्चेंद्री पाल के आरोहण क्षमता के साथ-साथ सहयोग की भावना के बारे में खुले में चर्चा की जाएगी। सहयोगियों के प्रति समर्पित होने की भावना को उजागर किया जायेगा। इस संस्मरण पर कक्षा में छात्रों द्वारा परिचर्चा करवाई जाएगी

* पुनरावृत्ति ➡

पुनरावृत्ति के लिए छात्रों से पढ़ाए गए पाठ में से कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे :-

* अभियान दल का नेतृत्व कौन कर रहा था
* रसोई सहायक की मृत्यु कैसे हुई ?
* लेखिका को दृश्य कैसा लगा ?

योग्यता विस्तार ➡

पर्वतारोहण से संबंधित दस चीजों के नाम लिखने को कहा जाएगा।

* इस पाठ में आए अंग्रेजी शब्दों का चयन करके उनके अर्थ लिखिए।

Scanned with CamScanner

10 अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- छात्रों को पाठ का मूल भाव अपने शब्दों में लिखने को कहा जाएगा। इससे उनकी लेखन कला का विस्तार होगा। इसके अतिरिक्त उनको पाठ के आधार पर अपने विचारों को व्यक्त करने को कहा जाएगा। पहाड़ों की यात्रा पर एक परिचर्चा करने को कहा जाएगा।

11 सीखने का प्रतिफल :- "आगे बढ़ती महिलाएँ" पुस्तक पढ़कर उनसे संबंधित चित्रों का संग्रह करवाया जाएगा।
* रामधारी सिंह दिनकर का लेख हिम्मत और जिंदगी पढ़ने को कहा जाएगा।
* मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित करवाई जाएगी।

12 मूल्यांकन :- शिखर पर चढ़ने वालों को किन-किन कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है तथा इसके क्या परिणाम होते हैं।
* एवरेस्ट की शिखर यात्रा पाठ की लेखिका बचेंद्री पाल की शिखर यात्रा के कितने पड़ाव थे ? वर्णन कीजिए।
* लेखिका का मार्ग दर्शन किन-किन लोगों ने किया तथा कैसे ?

Scanned with CamScanner

विषय = हिंदी व्याकरण प्रकरण - पर्यायवाची शब्द
कक्षा - नवम

सामान्य उद्देश्य :- बच्चों में हिंदी विषय के प्रति रुचि पैदा करना।
* बच्चों में नवीन शब्द निर्माण की योग्यता का विकास करना।
* बच्चों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
* बच्चों को व्याकरण के माध्यम से शुद्ध शब्दों का प्रयोग सिखाना।
* बच्चों की मानसिक योग्यता का विकास करना।

वर्तनी :- अलंकार, आँख, पेड़, स्त्री, सूर्य, धरती।

पूर्वज्ञान परीक्षण :- बच्चो, हमें नीले रंग का क्या दिखाई देता है?
* आसमान को हम और किस नाम से जानते हैं?
* आसमान और अंतरिक्ष परस्पर कैसे शब्द हैं?
* पर्यायवाची शब्दो के बारे में आप क्या जानते हैं?

संसाधन :- श्यामपट्ट, झाड़न, चॉक, फ्लैश कार्ड, चार्ट आदि।

कार्यप्रणाली :- अध्यापिका पर्यायवाची शब्दों की परिभाषा समझाते हुए श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखकर बताएगा कि किसी भी शब्द का समानअर्थ देने वाले शब्दों को।

Scanned with CamScanner

पर्यायवाची शब्द कहते हैं। उदाहरण :- सूर्य - सूरज, अतिथि - मेहमान
असुर - निशाचर, आरण्य - जंगल।

छात्र सहभागिता :- छात्र अध्यापिका द्वारा श्यामपट्ट पर लिखे शब्दों को समझकर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। शब्द के समझ ना आने पर अध्यापिका उनके प्रश्नों का समाधान करेगी।

नौकर - दास पत्थर - पाषाण
ईश्वर - प्रभु आभूषण - गहना

पुनरावृति :- पर्यायवाची किसे कहते है?
* आग शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए।
* पर्यायवाची तथा अनेकार्थी शब्दों में क्या अंतर है?
* पर्यायवाची शब्दों को और क्या कहते है?
* 'आकाश' शब्द के दो और पर्यायवाची शब्द क्या हैं?

अन्य ज्ञात क्षेत्रों के साथ स्कीकरण :- छात्र पर्यायवाची शब्दों के अर्थ की पहचान कर सकेंगे।
* कुछ पर्यायवाची शब्दों के चार्ट बनाएँगे जिससे छात्रों की चित्र कला लेखन का विकास होगा।
* छात्रों को दैनिक जीवन में पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग करना आएगा।

Scanned with CamScanner

योग्यता विस्तार :- छात्र फ्लैश कार्ड बनाकर पर्यायवाची शब्दों के अधिक अर्थ समझेंगे।

* छात्र कुछ शब्द लेकर उनके और अर्थों पर चर्चा करेंगे।
* आवश्यकता अनुसार समान शब्दों को अपनी रचनाओं में प्रयोग में लाएंगे। जैसे अंतरिक्ष के लिए वायुमंडल और जल के लिए नीर शब्द का प्रयोग करते हैं।

मूल्यांकण :- अध्यापक छात्रों को श्यामपट्ट कार्य को उत्तर पुस्तिका में लिखने का निर्देश देकर तथा कुछ नए शब्द देकर उनका मूल्यांकन करेंगे।

Scanned with CamScanner

कक्षा - नवम
विषय - हिंदी व्याकरण
प्रकरण - विलोम शब्द

सामान्य उद्देश्य : बच्चों में हिंदी विषय के प्रति रुचि उत्पन्न कराना।
* बच्चों मे नवीन शब्दों की योग्यता का निर्माण करना।
* बच्चों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
* छात्रों की मानसिक क्षमता का विकास करना।
* छात्रों को व्याकरण के माध्यम से शुद्ध शब्दों का प्रयोग सिखाना।

विशिष्ट उद्देश्य : छात्रों को विलोम शब्द सिखाना।

साहायक सामग्री = चाक, झाड़न, फ्लैश कार्ड, श्यामपट्ट आदि।

पूर्व ज्ञान परीक्षण : बच्चो रात के बाद क्या आता है ?
* दिन और रात परस्पर कैसे शब्द हैं ?
* अगर भला करने वाले अच्छा तो गलत करने वाले को क्या कहेंगे ?
* विलोम शब्दों के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उद्देश्य कथन : बच्चो दिन और रात विपरीतार्थक शब्द हैं तो आज हम (विपरीत) विलोम शब्दों का अध्ययन करेंगे।

कार्य प्रणाली : छात्रों के पूर्व ज्ञान से संबंध जोड़ते हुए विलोम शब्दों

Scanned with CamScanner

के बारे में जानकारी देते हुए चर्चा की जाएगी। साथ ही पाठ के उद्देश्य की जानकारी दी जाएगी। शब्दों का पठन एवं वाचन किया जाएगा। सामान्य तथा विलोम शब्दों में अंतर समझाया जाएगा।

छात्र सहभागिता = अध्यापक छात्रों को विलोम शब्दों की परिभाषा बताएगा और श्यामपट्ट पर लिखेगा। छात्र उसे ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।

आदर - निरादर कठोर - कोमल
अपराधी - निरपराधी लाभ - हानि

गाँधी जी का कहना था कि शत्रु को मित्र बनाकर जीत सकते हैं। बड़ों का सदैव आदर करना चाहिए निरादर नहीं। छात्र ध्यानपूर्वक सुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।

पुनरावृति :- पुनरावृति के लिए पढ़ाए हुए पाठ से कुछ प्रश्न दिए जाएँगे तथा कुछ शब्द देकर उनके विलोम शब्द लिखने को कहा जाएगा।

शत्रु — ? लाभ -? अपराधी - ?
जीत — ? रोगी -? दिन - ?

अन्य क्षेत्रों से स्वीकरण

छात्रों को विलोम शब्द के बारे में लिखने को कहा जाएगा जिससे उनकी लेखन कला का विस्तार होगा। तथा व्याकरण के शुद्ध रूप का ज्ञान होगा। छात्रों को

Scanned with CamScanner

उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ शब्दो के विलोम शब्द लिखने को कहा जाएगा। जिससे उनकी मानसिक शक्ति का विकास होगा।

योग्यता विस्तार

अध्यापिका छात्रों को श्यामपट्ट पर कठिन हुए शब्दों को उत्तर पुस्तिका में दस-बार लिखकर तथा दस नए शब्दों को लिखने को कहेगा।

मूल्यांकण :-

अध्यापक कुछ शब्दों के विलोम बनाने को कहेगा तथा उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

Scanned with CamScanner

कक्षा नवम
विषय हिंदी
प्रकरण - नारा लेखन

* सामान्य उद्देश्य :- नारा लेखन के माध्यम से छात्रों को मनोरंजन करना तथा उनकी कल्पना शक्ति का विकास करना।
  * इससे उनके नैतिक मूल्यों का ज्ञान होगा।
  * छात्रों की मानसिक क्षमता का विकास होगा।
  * नवीन शब्द निर्माण की योग्यता का विकास करना।

* पूर्वज्ञान परीक्षण :- * नारा लेखन किसे कहते हैं?
  * नारा लेखन कितने प्रकार का है?
  * नारा लेखन के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?
  * नारे कितने प्रकार के होते हैं?
  * एक राजनैतिक नारे के बारे में बताएँ :-

* शब्द प्रारूप :- राजनैतिक नारे, सामाजिक नारे, सुरक्षा हेतु नारे।

* सहायक सामग्री :- स्मार्ट बोर्ड, झाड़न, चार्ट, नारे चार्ट आदि।

* कार्य प्रणाली :- अध्यापक द्वारा कक्षा में बताया जाएगा कि नारा किसी विशेष सामाजिक सिद्धांत के पक्ष या

Scanned with CamScanner

दल के संदर्भ में विचार या उद्देश्य के तरीके से अभिव्यक्त करने वाले तथा तुकांत पंक्ति आदर्श वाक्य या सूक्ति है जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए लिखी जाती है। नारा लेखन एक कला है जो पुराने समय से प्रयोग किया जा रहा है कुछ नारा लेखन की उदाहरण इस प्रकार है :-

हम सभी का एक है नारा,
शिक्षा है अधिकार हमारा,

मोड़ और रुकावटे तो आती रहेंगी,
पर जीवन एक नदी है जो बहती रहेगी।

* छात्र सहभागिता :- छात्र नारा लेखन की जानकारी प्राप्त करने के बाद कक्षा में रंगीन पेजों के ऊपर नारा नारा लिखने की कोशिश करेंगे तथा नारा लिखते समय हास्य कविता का भी प्रयोग करेंगे। और उन्हे यह भी पता चलेगा कि नारा आकर्षक होना चाहिए और इसमें तुकांत शब्दों का प्रयोग करना जरूरी है।

* पुनरावृत्ति :- * नारा लेखन कैसे लिखा जाता है?
* स्वतंत्रता के आधार पर एक नारा लिखें।
* राजनीतिक पार्टी पर एक नारा लिखें।
*

Scanned with CamScanner

* ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ स्वीकरण :-

छात्र नारा लेखन की जानकारी देने के बाद उसे रंगीन पेजों की मदद लेकर अपनी कार्य पुस्तिका में उतारेंगे। बाहरी लोगों के विचारों को लिखने की कोशिश करेंगे। इस प्रकार उनके अंदर चित्रकला का विकास होगा और बड़ी सूझ-बूझ कारन उनकी मानसिक शक्ति का विकास होगा।)

* मूल्यांकन :- छात्रों को नारा के कुछ उदाहरण देकर उनके प्रकार पूछे जाएँगे तथा उन्हें कक्षा परीक्षा में कुछ नाम देकर उदाहरण लिखने को कहा जाएगा जिससे उनका मूल्यांकन किया जाएगा।)

Scanned with CamScanner

कक्षा - नवम विषय - हिंदी व्याकरण

प्रकरण — श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

सामान्य उद्देश्य :-

* बच्चों की मानसिक योग्यता का विकास करना।
* नवीन शब्दों के निर्माण की योग्यता का विस्तार करना।
* बच्चों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
* छात्रों की मानसिक क्षमता का विकास करना।
* हिंदी विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

सहायक सामग्री :- चॉक, झाड़न, फ्लैश कार्ड, श्यामपट्ट आदि।

पूर्वज्ञान परीक्षण : पाठ पढ़ाने से पहले विद्यार्थियों से उनके पूर्व ज्ञान की जानकारी के लिए कुछ प्रश्न किए जाएंगे।

* छात्रों से श्रुति शब्द का अर्थ पूछा जाएगा।
* बच्चो सम का क्या अर्थ है ?
* बच्चो भिन्न का क्या अर्थ है ?
* बच्चो समानार्थी शब्द किसे कहते हैं ?
* क्या आप भिन्नार्थक शब्दों के बारे में जानते हैं ?

उद्देश्य कथन : बच्चो आज हम श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द के बारे में पढ़ेंगे।

Scanned with CamScanner

कार्य प्रणाली :- अध्यापिका भिन्नार्थक शब्दों की परिभाषा समझाते हुए श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखेगी। वे शब्द जो सुनने तथा लिखने में लगभग समान होते हैं किन्तु उनके अर्थ बहुत भिन्न होते हैं उन्हें श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहते हैं। जैसे :- अचल - पर्वत, अचला - पृथ्वी

अकथ - जो कहा न जा सके, अथक - बिना थके
अचार - खाद्य वस्तु, आचार - व्यवहार
अतल - गहरा अतुल - काफी, बड़ा

छात्र सहभागिता :- अध्यापिका द्वारा श्यामपट्ट पर लिखे शब्दों को समझकर छात्र अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे। शब्द के समझ ना आने पर अध्यापिका उनकी जिज्ञासा का निवारण करेगी।

पता - घर का पता चिर - पुराना
पत्ता - पेड़ का पत्ता चीर - वस्त्र

तीन बेर खाती थी वे, तीन बेर खाती है।
बेर - खाने का फल
बेर - बार (Three times)

पुनरावृति :- छात्रों से पढ़ाए गए पाठ से कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे :-
* अकथ किसे कहते हैं ?
* अथक का एक वाक्य बताएँ ?

Scanned with CamScanner

* अचार और आचार का क्या अर्थ है ?
* चीर तथा चीर शब्दों के वाक्य बनाएँ ?

अन्य क्षेत्रों के साथ स्कीकरण :- * छात्र भिन्नार्थक शब्दों की पहचान कर सकेंगे।
* कुछ भिन्नार्थक शब्दो के वाक्य बनाएँगे जिससे उनकी लेखन कला का विस्तार होगा।
* छात्रों को दैनिक जीवन मे भिन्नार्थक शब्दों का प्रयोग करना आएगा तथा उनके अर्थ की पहचान होगी।

सह शिक्षक गतिविधियाँ :- छात्रों को दो वर्गों में बाँट दिया जाएगा तथा दोनो वर्गों मे श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द को बाँट दिया जाएगा तथा उनके अर्थ लिखने को कहा जाएगा। इससे छात्रों में आत्मविश्वास भी आएगा तथा नए शब्दों का प्रयोग भी।

सीखने का प्रतिफल :- * भिन्न-भिन्न शब्दों के अर्थों का ज्ञान।
आत्मचिंतन तथा आत्मविश्वास बढ़ेगा।
शब्द भंडार में वृद्धि होगी।

मूल्यांकन :- अध्यापक छात्रों को व्यायामपट्ट पर लिखे कार्य को उत्तर पुस्तिका में लिखने का निर्देश देकर कुछ नए शब्दों के अर्थ लिखने को देगा जिसका मूल्यांकन किया जाएगा।

Scanned with CamScanner

उप विषय

संवाद लेखन

शिक्षण उद्देश्य

- छात्रों को आपस में बातचीत करने का सही ढंग सिखाना।
- संवादों को सही ढंग से बोलना तथा लिखना सिखाना भाषा में रुचि उत्पन्न करना।
- व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना ।
- लेखन कला में सुधार करना।
- रचनात्मक कला का विकास करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप अपनी माता-पिता क्या मित्रों से बातचीत करते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि एक व्यक्ति द्वारा कहे गए कथन को क्या कहते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि किसी के बीच की बातचीत को लिखा कैसे जाता है?

सहायक सामग्री

- व्याकरण की पुस्तक, कुछ छात्र ,स्मार्ट बोर्ड, एक कहानी की किताब।

पद्धति

- संवाद प्रतियोगिता
- किसी कहानी को संवाद के रूप में प्रस्तुत करना।

शिक्षण कार्य

- छात्रों को संवाद लेखन का सही ढंग बताते हुए कुछ विषय देकर संवाद लिखने के लिए कहा जाएगा उन्हें बताया जाएगा कि संवाद लेखन में विराम चिन्हों का भी विशेष महत्व होता है ।उन्हें समझाया जाएगा कि एक व्यक्ति द्वारा कहा गया कथन संवाद कहलाता है। संवाद हमेशा दो या दो से अधिक लोगों में होता है। संवाद छोटे तथा स्पष्ट होने चाहिए।भाषा के नियमों का पूर्ण रुप से ध्यान रखा जाना चाहिए।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- कहानी तथा अकबर और बीरबल के किस्सों के द्वारा छात्र इतिहास के विषय से जुड़ेंगे।
- सामाजिक समस्याओं की चर्चा करते समय वह सामाजिक विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

छात्र सहभागिता

- छात्र दिए गए विषयों पर संवाद लिखेंगे
- अपनी मनपसंद कहानी को संवाद के रूप में प्रस्तुत करेंगे।
- संवाद को लिखने का सही ढंग समझेंगे।
- भाषा में संवाद लेखन का महत्व जानेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को किसी विषय पर संवाद के रूप में उनके विचार कक्षा में प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा
- छात्र पत्र के अनुसार संवाद बोलेंगे।
- कोई कहानी पढ़कर उसे संवाद के रूप में परिवर्तित करके लिखने तथा कक्षा में उसे प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा।छात्र इसे व्यवहारिक रूप में कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।
- विषय में रोचकता लाने के लिए अकबर तथा बीरबल के किसी एक किस्से को संवाद के रूप में कक्षा में छात्रों द्वारा प्रस्तुत करवाया जाएगा।

पुनरावृति

- संवाद कितने लोगों में होता है ?
- संवाद में कौन से गुण होने चाहिए?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्रों की लेखन तथा रचनात्मक कला का विकास होगा।
- मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा।
- छात्र सही ढंग से संवाद लिखना तथा बोलना सीख जाएंगे।

मूल्यांकन

- अभ्यास कार्य द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा और परखा जाएगा कि उन्हें संवाद लिखना सही ढंग से आया है या नहीं।

Scanned with CamScanner

विषय – हिंदी प्रकरण – सन्देश लेखन

उद्देश्य :- 1. छात्रों की रचनात्मक एवं सृजनात्मकता को विकसित करना

2. क्रमबद्धता का ज्ञान देना

3.विषयानुरूप रचना करना

4.संक्षेप में लिखने का अभ्यास करना

5. भाषा- शैली में विस्तार करना

पूर्व ज्ञान परीक्षण :- यह पूर्वानुमान है की छात्रों को भाषा का सामान्य ज्ञान है और प्राचीन सन्देश सूत्रों का कुछ ज्ञान है ।उससे इस संबंधी कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे :-

1. सन्देश क्या होता है ?
2. प्राचीन काल में सन्देश भेजने के क्या-क्या ढंग अपनाए जाते थे ?
3. सन्देश किसे भेजा जाता है ?
4. क्या सन्देश सामूहिक भी हो सकती है ?

सहायक सामग्री :- श्यामपट्ट , झाडन, फ्लैश कार्ड , व्याकरण पुस्तक आदि

शिक्षण कार्य विधि :- छात्रों को समझाया जाएगा की सन्देश एक छोटी सी जानकारी होती है जो किसी ऐसे व्यक्ति के लिए लिखी जाती जिसे आप किसी कारण से मिलने या बोलने में असमर्थ होते हैं ।इसके लिए कुछ विशेष तत्वों का जानना आवश्यक है –

- विषय से सम्बद्धता
- संक्षिप्त और सारगर्भित
- भाषायी दक्षता एवं प्रभावी प्रस्तुति
- रचनात्मकता/ सृजनात्मकता

आवश्यक बिंदु :- 1. बॉक्स बनाएँ

2. बायीं ओर दिनांक तथा दाईं ओर समय लिखें

3. इसके बाद अगली पंक्ति में संबोधन दें

4. यदि बधाई या शुभ कामना सन्देश है तो संबोधन के बाद बहुत-बहुत बधाई , हार्दिक शुभकामनाएं लिख दें , यदि सन्देश किसी बात की सूचना तक सीमित है तो विषयवस्तु आरंभ कर दें

5. विषयवस्तु (विषय के पूर्णतः अनुकूल 20-25 शब्द)

(विषय देखकर विषयवस्तु के अंत में 'एक बार पुनः हार्दिक शुभकामनाएं' लिखा जा सकता है

6. प्रश्न में नाम दिए जाने पर वह नाम, अन्यथा क ख ग लिखें

क्या लिखना आवश्यक नहीं ?

- संबोधन के साथ अभिवादन आवश्यक नहीं
- स्थान और विषय का उल्लेख आवश्यक नहीं
- अंत में आपका पुत्र , तुम्हारा मित्र न लिखकर सीधे क ख ग / a b c या प्रश्न में दिया गया नाम लिख दें
- छात्र सहभागिता :- छात्र सन्देश लेखन के तत्वों तथा ध्यान देने योग्य बातों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करेंगे तथा दिए गये विषय पर सन्देश लिखने का प्रयास करेंगे

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- छात्र सामाजिक शिक्षा, वातावरण शास्त्र , सामजिक शास्त्र , मनोविज्ञान के अतिरिक्त धार्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक पर्व-त्योहारों की जानकारी हासिल करेंगे

सीखने के प्रतिफल :- 1. भाषा शैली के अनुरूप ज्ञान

2. कम से कम शब्दों में अधिक बात कहना /लिखना

3. विभिन्न विषयों का सामयिक ज्ञान

4. आत्म -चिंतन एवं आत्मविश्वास में बढ़ावा

पुनरावृत्ति :- 1. अपने भाई के जन्मदिन पर शुभकामना कैसे भेजेंगे ?

2. अपनी माता जी को मातृत्व –दिवस पर सन्देश में क्या नारा/कविता लिखेंगे /

3. 15 अगस्त पर अपने मित्र को सन्देश लिखिए

मूल्यांकन :-दिए गये विषयों पर छात्रों द्वारा लिखे गये सन्देशों का मूल्यांकन करके उनके प्रारूप अथवा विषयवस्तु की त्रुटियों का ज्ञान करवाया जाएगा

Scanned with CamScanner

विषय हिंदी

उप विषय अनुस्वार अनुनासिक नुक्ता

शिक्षण उद्देश्य

- छात्रों को अनुस्वार ,अनुनासिक तथा मुक्ता का सही प्रयोग सिखाना।
- शब्दों को लिखते समय अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता का महत्व समझाना।
- व्याकरण संबंधी जानकारी में वृद्धि करना।
- वर्तनी में सुधार करना।
- शब्दों का शुद्ध उच्चारण बताना

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप कुछ ऐसे शब्दों का उच्चारण कर सकते हैं जिनको बोलते समय आवाज नाक से निकलती है?
- कुछ ऐसे शब्दों का उच्चारण कीजिए चीन को बोलते समय आवास नाक और मुंह दोनों से निकलती है।
- क्या आप जानते हैं कि इन शब्दों को लिखते समय अलग-अलग चिन्हों का प्रयोग किया जाता है?

सहायक सामग्री तथा पद्धति

- स्मार्टबोर्ड ,श्यामपट्ट ,चौक , व्याकरण पुस्तक यूट्यूब ,गूगल, शब्द प्रतियोगिता

शिक्षण कार्य

- अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता की परिभाषा तथा उनके अर्थ बताते हुए उनके चिन्हों से अवगत करवाया जाएगा ।छात्रों को बताया जाएगा कि अनुस्वार का प्रयोग बिंदी के रूप में ,अनुनासिक का प्रयोग चंद्रबिंदु के रूप में तथा नुक्ता का प्रयोग उर्दू फारसी के शब्दों में पैर में बिंदी के रूप में होता है।जैसे अनुस्वार के शब्द हैं पंडित ,मंदिर शंकर गंगा, पंडित आदि। छात्रों को शब्द देकर उन में उचित स्थान पर अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता का प्रयोग करने के लिए कहा जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

Scanned with CamScanner

- छात्रों को अपने आसपास के वातावरण को देखकर या उसका चित्र दिखा कर उसमें से ऐसी चीजें छांटने के लिए कहा जाएगा जिनका नाम लिखते समय अनुस्वार अनुनासिक तथा नुकता का प्रयोग किया जाता है ।अपनी पसंद के अनुसार कोई भी चित्र बना सकते हैं इस प्रकार उन्हें वातावरण के अध्ययन तथा चित्रकला से जोड़ा जाएगा।

छात्र सहभागिता

- छात्र विषय को अच्छी तरह से समझेंगे और विषय से संबंधित दी गई गतिविधि को ध्यान पूर्वक करेंगे।
- अभ्यास कार्य करेंगे और विषय का ज्ञान बढ़ाने के लिए अखबार, मैगजीन या पुरानी किताबों आदि का प्रयोग करते हुए और शब्द ढूंढ लेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को कुछ ऐसी चीजों और जीवो के चित्र बनाने के लिए कहा जाएगा जिनके नाम में अनुस्वार ,अनुनासिक तथा नुक्ता का प्रयोग हो।

पुनरावृति

- नुक्ता का प्रयोग किस किस अक्षर के साथ होता है?
- अनुनासिक शब्दों का उच्चारण स्थान क्या है?
- अनुस्वार का प्रयोग कब होता है?
- अनुस्वार को दर्शाने के लिए किस चिन्ह का प्रयोग किया जाता है?
- अनुनासिक को किस चिन्ह की सहायता से दिखाया जाता है?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र अनुस्वार तथा अनुनासिक का सही प्रयोग सीख जाएंगे ।उन्हें इस बात का ज्ञान भी हो जाएगा कि नुक्ता का प्रयोग किस प्रकार होता है और उसका उच्चारण किस प्रकार किया जाता है।
- छात्रों की वर्तनी में भी सुधार होगा।

मूल्यांकन

- अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा ,पाठ के अंत में दिए गए अभ्यास कार्य आदि द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

Scanned with CamScanner

विषय व्याकरण
उप विषय- प्रत्यय
शिक्षण उद्देश्य

- भाषा ज्ञान में वृद्धि करना ,शब्द ज्ञान बढ़ाना तथा व्याकरण में रुचि उत्पन्न करना ।
- व्याकरणिक इकाई प्रत्यय का ज्ञान प्रदान करना तथा दैनिक जीवन में उसका उपयोग बताना ।
- नए शब्दों का निर्माण करना सिखाना।

शब्द प्रारूप

- संगीतकार ,राष्ट्रीय ,हवलदार, सुखी ,दिखावा।

वर्तनी

- गंभीरता, गहराई ,व्यवहारिकता ,बुलावा।

सहायक सामग्री पद्धति तथा संसाधन

- व्याकरण की पुस्तक, श्यामपट्ट ,जाडन ,चॉक ,स्मार्ट बोर्ड एक्स्ट्रा मार्क्स, अखबार आदि।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- विशुद्ध शब्द किस शब्द से बना है?
- शब्द के आगे लगने वाले शब्दांश को क्या कहते हैं?
- दुकानदार शब्द में कौन कौन से शब्द जुड़े हैं?
- शब्द के पीछे भी क्या शब्दांश जुड़ते हैं?
- क्या आप जानते हैं कि प्रत्यय किसे कहते हैं?

कार्यप्रणाली

- छात्रों को प्रत्यय का अर्थ समझाते हुए बताया जाएगा कि जो शब्दांश किसी मूल शब्द के पीछे जुड़कर एक नए शब्द का निर्माण करते हैं उन्हें प्रत्यय कहते हैं। जैसे -समाज+इक=सामाजिकयहां पर समाज मूल

शब्द है तथा इक प्रत्यय है ।प्रत्यय के दो भेद हैं - <u>प्रत्यय तथा तद्धित प्रत्यय</u> प्रत्यय की भेदो की जानकारी देते हुए प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नए शब्द बनाना सिखाया जाएगा।

सह शैक्षिक गतिविधि

- छात्रों को फ्लैश कार्ड के माध्यम से मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग अलग करना तथा प्रत्यय के प्रयोग से नए शब्द बनाना सिखाया जाएगा।
- छात्र अपनी इच्छा के अनुसार अलग-अलग तरह के फ्लैश कार्ड बनाएंगे और कला से जुड़ेंगे।
- विषय को अच्छी तरह से समझाने के लिए मूल शब्द को इंजन के रूप में तथा प्रत्यय के योग से बने शब्दों को उस गाड़ी के अन्य डिब्बों के रूप में दिखाया जाएगा।
- इस गतिविधि द्वारा छात्र विषय को अच्छी तरह से समझ पाएंगे।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- चित्रकला का विकास होगा इतिहास ,भूगोल, विज्ञान मनोविज्ञान ,गणित आदि विषयों से संबंधित शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

छात्र सहभागिता

- प्रत्यय का प्रयोग करते हुए नए नए शब्द बनाएंगे ।
- शिक्षण के लिए की गई गतिविधि में उत्साह पूर्वक भाग लेंगे।
- अखबार अथवा अपनी पुरानी किताबों में से ऐसे शब्द ढूंढेंगे जो प्रत्यय के योग से बने हैं ।

पुनरावृति

- 'आश्रित 'शब्द में प्रत्यय क्या है ?
- 'प्रकाशमान 'में मूल शब्द क्या है ?

- क्या आप प्रत्यय का प्रयोग करके कुछ नए शब्दों का निर्माण करना सीख गए हैं?

सीखने के प्रतिफल

- छात्र नए शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
- प्रत्यय का प्रयोग करके नए शब्द बनाना सीख जाएंगे
- शब्दों में से मूल शब्द तथा प्रत्यय की पहचान करना सीख लेंगे ।
- व्याकरण संबंधी दिलचस्पी बढ़ेगी

मूल्यांकन

- कार्य पत्रिका, अभ्यास पत्रिका, मौखिक तथा लिखित प्रश्न उत्तर
- उपर्युक्त माध्यमों का प्रयोग करते हुए छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

Scanned with CamScanner

पाठ वाक्य विचार

उप विषय

रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद

शिक्षण उद्देश्य

- पाठ में दिए गए विशेष बिंदुओं पर विशेष रूप से बल देना ।
- वाक्य बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए अथवा उन में कौन-कौन से गुण होने चाहिए इस विषय में समझाना ।
- वाक्य के अंग उद्देश्य तथा विधेय से परिचित करवाना ।
- रचना तथा अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी देना ।
- शुद्ध वाक्य रचना सिखा कर छात्रों को लेखन के क्षेत्र में आगे बढ़ाना ।
- रचनात्मकता जाग्रत करना।

पूर्व ज्ञान परीक्षा

- क्या आप जानते हैं कि वाक्य कैसे बनता है ?
- क्या शब्दों के मेल को वाक्य कहा जा सकता है ?
- क्या वाक्यों में पद क्रम का होना जरूरी होता है ?
- क्या वही पद समूह, जिसका कोई अर्थ वाक्य कहलाता है?

सहायक सामग्री

- सीडी ,प्रोजेक्टर, श्यामपट्ट, डस्टर ,चौक कंप्यूटर आदि।

पद्धति

- वाचन कथा श्रवण पद्धति

शिक्षण कार्य

- जुड़िए और समझिए संदर्भ द्वारा उद्देश्य -विधेय की जानकारी दी जाएगी तथा सार्थक -निरर्थक शब्दों की पहचान कराई जाएगी वाक्य की परिभाषा बताते हुए उसके गुण भीड़ तथा उपभेद पर चर्चा की जाएगी ।बीच-बीच में संबंधित उदाहरण देते हुए विषय की पुष्टि की जाएगी पाठ संबंधी सी. डी. का प्रसारण किया

Scanned with CamScanner

जाएगा।अर्थ के आधार पर तथा रचना के आधार पर वाक्य के भेदों की जानकारी दी जाएगी।छात्रों को सरल वाक्य से संयुक्त वाक्य में रूपांतरण करना तथा संयुक्त से सरल वाक्य बनाना भी सिखाया जाएगा।अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ वेदों के बारे में भी बताया जाएगा।

अन्य ज्ञान क्षेत्रों के साथ एकीकरण

- *Sentences* के बारे में बताते हुए उप विषय को अंग्रेजी विषय के साथ भी जोड़ा जाएगावातावरण तथा विज्ञान से जुड़े हुए वाक्यों द्वारा छात्रों को विज्ञान तथा वातावरण जैसे विषयों से भी जोड़ा जाएगा।
- जैसे वातावरण में बहुत से तत्व शामिल होते हैं।
- रक्त प्रवाह बढ़ने से बाजार की मृत्यु हो गई।

छात्र सहभागिता

- अभ्यास कार्य करते हुए छात्र अपनी रचनात्मकता का विकास करेंगे ।अपनी तरफ से उदाहरण देते हुए अपनी सोचने और विचार करने की शक्ति को दर्शा एंगेअपनी आशंकाओं का निवारण करते हुए उक्त विषय को अच्छी तरह से समझने का प्रयास करेंगे। विषय संबंधी की दी गई गतिविधि को करेंगे।

सह शैक्षिक गतिविधि

- अभिनय करना
- वाक्य विचार के सभी भेदों को छात्रों में बांट दिया जाएगा और एक अध्यापिका के रूप में अभिनय करते हुए उन्हें कक्षा के अन्य छात्रों को विषय समझाने के लिए कहा जाएगा इससे उनकी दोहराई भी हो जाएगी और वे विषय को अच्छी तरह से समझ सकेंगे।

पुनरावृति

- रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं?
- अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम बताओ।
- क्या हम सरल वाक्य को संयुक्त में बदल सकते हैं?
- राधा नहा कर सो गई का संयुक्त वाक्य क्या होगा?
- 'वह कक्षा में प्रथम आया क्योंकि वह बहुत मेहनती था। 'इस वाक्य का सरल वाक्य क्या होगा?

शिक्षण के प्रतिफल

- छात्र वाक्य और उसके भेदों को अच्छी तरह से समझ जाएंगे तथा सरल से संयुक्त और संयोग से सरल वाक्य बनाना सीख जाएंगे वह अर्थ के आधार पर वाक्य के आठों भेदों को अच्छी तरह से समझ जाएंगे। छात्र सार्थक वाक्य रचना करने में निपुण हो जाएंगे और वाक्यों को उनके भेदों के आधार पर नामांकित कर सकेंगे।

मूल्यांकन

- अभ्यास पत्रिका ,कक्षा परीक्षा , मौखिक तथा लिखित रूप में छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय हिंदी

उप विषय। अलंकार

शिक्षण उद्देश्य

- भाषा में सौंदर्य उत्पन्न करने वाले विशेष तत्वों का ज्ञान कराना।
- अलंकार के विषय में जानकारी देना ।
- अलंकार के विविध रूप एवं उनके उपयोग के विषय में जानकारी देना।
- भाषा में अलंकारों के प्रयोग के महत्व को समझाना

Scanned with CamScanner

विषय वस्तु- लेखन **प्रकरण – पत्र लेखन**

उद्देश्य:- 1. विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना

2. मातृभाषा और उसके साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना

3. छात्रों की कल्पना शक्ति का विकास करना

4. पत्र लेखन की योग्यता का प्राप्त करना

5. पत्र में अपनी बात को विषयानुरूप प्रयोग के साथ संक्षेप में लिखने की योग्यता का विस्तार करना

पूर्व ज्ञान परीक्षण:- 1. क्या आप जानते हैं पुराने समय में सन्देश भेजने की कौन-कौन सी विविधियाँ थीं?

2. आप किसी को सन्देश (आजकल)किस प्रकार भेजते हैं ?

3. क्या आपने किसी को पत्र लिखा है ?

संसाधन /विषय की व्याख्या के लिए प्रयोग किया गए अभिनव ढंग ;- स्मार्ट बोर्ड, श्यामपट्ट, झाड़न,चॉक,फ्लैश कार्ड ,व्याकरण पुस्तक आदि

कार्य प्रणाली:- छात्रों को पत्र लेखन का महत्त्व समझाया जायेगा कि चाहे इन्टरनेट के वर्तमान युग में एक सीमा तक पत्रों का चलन कम हुआ है, किन्तु आज भी समाज के सभी वर्गों के लिए लोग पत्र व्यवहार करते हैं ।विभिन्न कार्यालयों में तो पत्र व्यवहार अति आवश्यक है । पत्र लिखते समय जिन बातों का ध्यान रखना चाहिए ,उनकी जानकारी छात्रों को प्रदान की जाएगी । पत्र के प्रकार बताये हुए पत्रों को दो भागों में बांटा

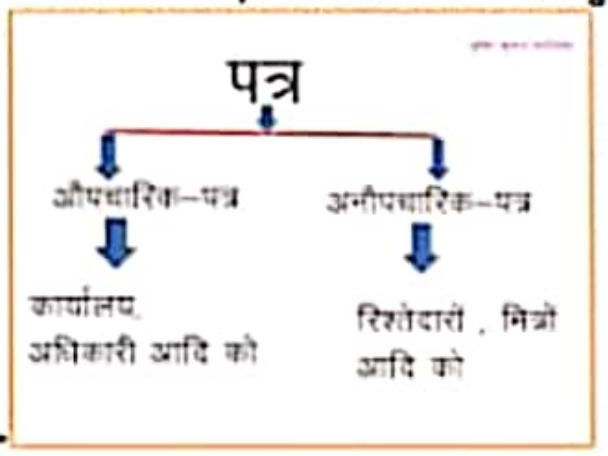

जाने के बारे में बताया जाएगा :-

Scanned with CamScanner

संबंध	प्रारंभ	अभिवादन	स्वनिर्देश
1. माता-पिता, शिक्षक, दादा, चाचा अन्य बड़े	पूज्य, पूजनीय, श्रद्धेय, आदरणीय	सादर प्रणाम, सादर नमस्ते, सादर चरण स्पर्श	आपका प्रिय पुत्र, आपका आज्ञाकारी शिष्य, स्नेहाकांक्षी आदि।
2. बराबर वालों के लिए	प्रियवर, प्रिय मित्र, प्रिय बंधु	नमस्ते, नमस्कार	तुम्हारा अभिन्न मित्र, तुम्हारा प्रिय मित्र
3. अपने से छोटों के लिए	प्रिय अनुज, प्रिय.....	शुभाशीष, प्रसन्न रहो, चिरंजीव रहो	तुम्हारा शुभचिंतक, हितैषी, स्नेही आदि।
4. महान लोगों के लिए	आदरणीय, मान्यवर, माननीय	—	भवदीय, विनीत, दासी आदि।
5. औपचारिक पत्रों में	श्रीमान जी, महोदय, मान्यवर	—	भवदीय, आपका आदि।

छात्र सहभागिता :- छात्र औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप के बारे में जानेंगे तथा लिखित अभ्यास द्वारा उस जानकारी को पुष्ट करेंगे ।अभ्यास- पुस्तक तथा स्मार्ट बोर्ड में दिए गाये पत्रों के उदाहरणों का अभ्यास करेंगे ।छात्र एक पत्र अपने सहपाठी को लिखेंगे जिसमें कोरोना के दौरान शिक्षा की स्थिति का वर्णन किया गया हो ।

सह शैक्षिक गतिविधियाँ:- छात्रों को सर्वेक्षण के लिए डाकघर की विभिन्न प्रक्रियाओं को जानने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जिसके लिए वे उसकी वेबसाइट से या दफ्तर में जाकर अनुभव प्राप्त कर सकते हैं ।

ज्ञान के अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकरण :- भाषा विस्तार के साथ-साथ सामाजिक –शास्त्र, भूगोल ,इतिहास , मनोविज्ञान आदि कई विषयों के साथ तारतम्य स्थापित किया जाएगा ।

सीखने के प्रतिफल :- छात्र पत्र-लेखन के द्वारा भाषा के विभिन्न पहलुओं के बारे में सीखेंगे , जैसे –सरलता, स्पष्टता, निश्यात्मकता, संक्षिप्तता, मौलिकता एवं उद्देश्यपूर्णता आदि ।

योग्यता विस्तार कार्य :-छात्रों से पत्रों के प्रारूप लिखवा कर पूछे जाएँगे जिससे उनका अभ्यास होगा --

सहायक शिक्षण सामग्री:- विभिन्न प्रकार के पत्र , लिफ़ाफ़ा , अंतर्देशीय, पोस्टकार्ड अदि कक्षा में दिखाए जाएँगे

मूल्यांकन :- हिंदी व्याकरण में दिए कुछ औपचारिक तथा अनौपचारिक पत्रों को अभ्यास के लिए दिया जाएगा –जैसे

Scanned with CamScanner